भारत – फिनलैंड संबंध

भारत और फिनलैंड के बीच संबंध परंपरागत रूप से गर्मजोशीपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। भारत को फिनलैंड अपने उत्पादों के लिए एक बड़े बाजार तथा उच्च प्रौद्योगिकी वाले अपने उद्योगों के लिए निवेश के एक अनुकूल डेस्टिनेशन के रूप में देखता है, जबकि भारत फिनलैंड को यूरोपीय संघ के एक महत्वपूर्ण सदस्य तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के एक आधान के रूप में देखता है।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय यात्राएं

मुंबई में ''मेक इन इंडिया वीक'' में भाग लेने के लिए फिनलैंड के प्रधानमंत्री महामहिम श्री जुहा सिपिला ने 12 से 14 फरवरी 2016 के दौरान भारत का दौरा किया। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों एवं कारोबारियों का एक शिष्टमंडल भी आया था। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय चर्चा की। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री श्री देवेन्द्र फणनवीस, गुजरात की मुख्य मंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल, वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन तथा विद्युत, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल के साथ भी बैठकें की। फिनलैंड के प्रधानमंत्री ने मुंबई की अपनी यात्रा के दौरान भारत के अनेक शीर्ष कारोबारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा स्वीडन के प्रधानमंत्री श्री स्टिफन लोफवेन के साथ ''मेक इन इंडिया वीक'' के उद्घाटन समारोह को भी संबोधित किया।

माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 14 से 16 अक्टूबर, 2014 के दौरान फिनलैंड का राजकीय दौरा किया। उनके साथ एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल भी गया था जिसमें भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम राज्य मंत्री श्री पी राधाकृष्णन, माननीय संसद सदस्य श्री राजीव शुक्ला, श्री अनिल कुमार दत्तात्रेय हेगडे, डा. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी और श्री बाबुल सुप्रियो बराल, वरिष्ठ अधिकारी, आई आई टी एवं आई आई एस ई आर के वरिष्ठ शिक्षाविद तथा कारोबारी शामिल थे। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति जी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति श्री साउली निनिस्तो, प्रधानमंत्री महामहिम श्री अलेक्जेंडर स्टब, विदेश मंत्री महामहिम डा. एरिकी टुओमियोजा तथा संसद के स्पीकर महामहिम श्री एरो हीनोलुओमा के साथ बैठकें कीं। माननीय राष्ट्रपति जी ने हेलसिंकी में एक व्यवसाय सेमिनार को भी संबोधित किया। सांता क्लाज गांव, आर्कटिकुम संग्रहालय एवं आर्कटिक विज्ञान केंद्र का दौरा करने के अलावा उन्होंने रोवानिमी का भी दौरा किया तथा आर्कटिक सर्किल को पार किया। यात्रा के दौरान नवीन एवं नवीकरणी ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु अनुसंधान, मौसम विज्ञान, स्वास्थ्य देखरेख तथा शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए कुल 19 करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

हाल के वर्षों में, राजनीतिक एवं वाणिज्यिक दोनों स्तरों पर भागीदारी में सुस्पष्ट वृद्धि हुई है तथा इसी कलेंडर वर्ष (2006) के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने एक दूसरे देश की यात्रा की। इसके बाद फिनलैंड की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती टारजा हलोनेन ने जनवरी, 2007, फरवरी, 2009, फरवरी, 2011 तथा फरवरी, 2012 में भारत की यात्रा की और फिनलैंड के प्रधानमंत्री महामहिम श्री मैट्टी वेनहेनेन ने फरवरी, 2008 और फरवरी, 2010 में भारत की यात्रा की (टेरी द्वारा आयोजित दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लेने के लिए)।

द्विपक्षीय करार :

भारत और फिनलैंड के बीच निम्नलिखित करार किए गए हैं :

i. व्यापार करार (1967); जिसे मार्च, 2010 में हस्ताक्षरित आर्थिक सहयोग करार द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।
ii. भारत - फिनलैंड संयुक्त आयोग की स्थापना (1974)
iii. दोहरा कराधान परिहार करार (1983); जनवरी, 2010 में इसमें आखिरी बार संशोधन किया गया है।
iv. सांस्कृतिक करार (1983)

v. कपड़ा पर समझौता ज्ञापन (1993)
vi. वर्ष 1995 में वायु सेवा करार पर हस्ताक्षर किया गया जिसे मई, 2006 में संशोधित किया गया।
vii. निवेश संवर्धन एवं संरक्षण के लिए द्विपक्षीय करार पर हस्ताक्षर वर्ष 2002 में किया गया।
viii. वर्ष 2008 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए करार पर हस्ताक्षर किया गया।
ix. जनवरी, 2010 में सूचना सुरक्षा पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
x. 10 मई, 2010 को सड़क परिवहन के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
xi. जून, 2012 में सामाजिक सुरक्षा करार पर हस्ताक्षर किया गया तथा जून, 2012 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा इसकी पुष्टि की गई और 1 अगस्त, 2014 से इसे लागू किया गया है।
xii. अक्टूबर, 2014 में परमाणु एवं विकिरण सुरक्षा विनियमन के क्षेत्र में सहयोग के लिए व्यवस्था पर हस्ताक्षर किया गया है।
xiii. अक्टूबर, 2014 में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।
xiv. अक्टूबर, 2014 में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।
xv. अक्टूबर, 2014 में पर्यावरणीय वातावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर किया गया है।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

फिनलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2011-12 में 2,417.91 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि वर्ष 2010-11 में यह 1,907.94 मिलियन अमरीकी डॉलर था। तथापि चेन्नई में नोकिया के मोबाइल हैंडसेट प्लांट के बंद हो जाने तथा यूरोप में मंदी के कारण हाल के वर्षों में इसमें धीरे धीरे गिरावट आ रही है। पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान व्यापार निम्नानुसार रहा है :

				मिलियन अमरीकी डालर में
वित्त वर्ष (अप्रैल - मार्च)	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - दिसंबर 2015) 9 मा ह
फिनलैंड को निर्यात	317.27	415.52	330.18	179.41
फिनलैंड से आयात	1,106.85	1,054.09	917.48	777.62
कुल व्यापार	1,424.12	1,469.51	1,247.66	957.03

स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार

भारत की ओर से निर्यात की जाने वाली मुख्य वस्तुओं में निम्नलिखित शामिल हैं - इलेक्ट्रानिक गुड्स, खनिज ईंधन तथा खनिज तेल, रेडीमेड गारमेंट्स, कॉटन जिसमें साजो-सामान शामिल हैं, भेषज पदार्थ एवं बारीक रसायन, लोहा एवं इस्पात की वस्तुएं, मशीनरी एवं उपकरण, कॉफी, रबर, लोहा एवं इस्पात, कार्बनिक रसायन तथा परमाणु रिएक्टर, बायलर, मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण एवं उनके पुर्जे। फिनलैंड से भारत में जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं - विद्युत मशीनरी एवं उपकरण, परमाणु रिएक्टर, बायलर, मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण, पेपर एवं पेपर बोर्ड, लोहा इस्पात, लकड़ी की लुग्दी या अन्य रेशेदार सामग्री की लुग्दी, पल्प एवं वेस्ट पेपर, वाहन एवं परिवहन उपकरण आदि।

निवेश :

फिनलैंड की कंपनियों ने भारत में निवेश करने में बढ़ती रुचि का प्रदर्शन किया है। बड़े विनिर्माताओं जैसे कि नोकिया, कोन, वार्टसिला, यू पी एम, लिंडस्टोर्म, फोर्टम, अहलस्ट्रोम, एल्कोटेक आदि ने भारत के विभिन्न भागों में अपनी विनिर्माण सुविधाएं स्थापित की हैं।

नोकिया सीमेंस नेटवर्क ने बंगलौर में अपना मुख्य उत्पाद विकास केन्द्र भी स्थापित किया है। फिनलैंड की 130 से अधिक कंपनियों के आज भारत में प्रचालन हैं।

मुख्य रूप से साफ्टवेयर तथा परामर्श क्षेत्र में लगभग 30 भारतीय कंपनियां फिनलैंड में सक्रिय हैं। अन्यों के अलावा इनमें टी सी एस, विप्रो, इंफोसिस, एल एंड टी, इंफोटेक, टेक महिंद्रा, एच सी एल टेक्नोलॉजी आदि शामिल हैं। भारत से निवेश का प्रवाह भी शुरू हो गया है जिसमें अधिग्रहण मार्ग से निवेश शामिल है। नवीनतम निवेश भारतीय कंपनी ट्रिवीट्रोन हेल्थकेयर द्वारा किया गया निवेश है जिसने फिनलैंड की दो कंपनियों - एनी लैबसिस्टम और एनी बायोटेक का अधिग्रहण किया है। ये कंपनियां चिकित्सा जांच उपकरणों का निर्माण करती हैं। महिंद्रा हालिडेज एंड रिजॉर्ट्स ने पिछले साल फिनलैंड की कंपनी 'हॉलीडे क्लब रिजार्ट ओय' का अधिग्रहण किया है। भारत में फिनलैंड से एफडीआई की कुल मात्रा 400 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक है। डी आई पी पी द्वारा जारी की गई एफ डी आई सांख्यिकी के अनुसार फिनलैंड की कंपनियों ने मार्च 2000 से अगस्त 2015 के बीच 388 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया है।

सांस्कृतिक संबंध :

फिनलैंड में अनेक भारतीय नृत्य विद्यालय तथा योग प्रशिक्षण केन्द्र हैं। अक्सर सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया जाता है जिसमें भारतीय नृत्य (शास्त्रीय एवं आधुनिक) तथा भारतीय संगीत शामिल हैं। अनेक योग एवं ध्यान समूह हैं जो इन क्षेत्रों में विभिन्न भारतीय विद्यालयों से संबद्ध हैं। विभिन्न भारतीय आध्यात्मिक गुरुओं एवं आश्रमों के अनेक अनुयायी हैं, जिन्होंने फिनलैंड में अपनी शाखाएं स्थापित की हैं। 1956 से फिनलैंड में एक फिनलैंड - भारत सांस्कृतिक सोसाइटी सक्रिय है।

पर्यटन :

भारत में फिनलैंड के पर्यटकों का मनपसंद डेस्टिनेशन गोवा एवं केरल है, हालांकि अन्य डेस्टिनेशन भी धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहे हैं। वर्ष 2006 में हेलसिंकी से नई दिल्ली के लिए फिनएयर की सीधी उड़ानें आरंभ होने की वजह से फिनलैंड से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। ई-टूरिस्ट वीजा स्कीम को फिनलैंड के नागरिकों के लिए 1 जनवरी, 2010 से लागू किया गया है। भारतीय पर्यटन कार्यालय हेलसिंकी में नियमित रूप से रोड शो का आयोजन करता है तथा हर साल हेलसिंकी पर्यटन मेला में भाग लेता है।

भारतीय समुदाय :

फिनलैंड में तकरीबन 4,500 भारतीय पी आई ओ एवं एन आर आई हैं। उनमें से अधिकांश राजधानी हेलसिंकी तथा आसपास के क्षेत्रों में रहते हैं। अधिकांश भारतीय जो 1980 एवं 1990 के दशकों के दौरान फिनलैंड में बस गए हैं, पंजाब से हैं तथा मुख्य रूप से रेस्तरां का व्यवसाय करते हैं।

हाल के वर्षों में अनेक युवा भारतीयों, मुख्य रूप से कंप्यूटर पेशेवरों ने फिनलैंड की हाइटेक एवं आई टी कंपनियों को ज्वाइन किया है। इस समय लगभग 700 भारतीय प्रोफेशनल हाइटेक कंपनियों जैसे कि नोकिया, माइक्रोसाफ्ट तथा टी सी एस, विप्रो, एल एण्ड टी, इनफोसिस, एच सी एल, महिंद्रा टेक तथा फिनलैंड में आधारित अन्य कंपनियों के लिए काम कर रहे हैं।

थोड़ी संख्या में भारतीय / पी आई ओ शिक्षाविद भी हैं जो फिनलैंड के विश्वविद्यालयों में काम कर रहे हैं। फिनलैंड के विश्वविद्यालयों में हाल के वर्षों में भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ रही है तथा इस समय फिनलैंड की उच्च शिक्षा संस्थाओं में भारत के तकरीबन 350 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, फिनलैंड की वेबसाइट :
www.indianembassy.fi

*****

फरवरी, 2016